525. कुशालसिंह की पराजय के बाद ब्रिटिश सेना ने आहूवा पर कब्जा किया था-
(a) 24 जनवरी, 1858 ई. में
(b) 26 जनवरी, 1858 ई. में
(c) 20 जनवरी, 1858 ई. में
(d) 24 जनवरी, 1859 ई. में

Librarian Exam Date-13.11.2016

Ans. (a) 1857 की क्रांति के दौरान आउवा (पाली) विद्रोह का प्रमुख केन्द्र था। जोधपुर की सेना का पॉलिटिकल एजेंट मैक मेसन था। उसने जब आहूवा पर हमला करना चाहा तब कुशाल सिंह ने मैक मेसन का सिर काटकर आउवा के दरवाजे पर टांग दिया, इस घटना के पश्चात् कर्नल होम्स के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना ने आउवा के किले पर हमला कर दिया और 24 जनवरी 1858 को आउवा के किले पर अधिकार कर लिया गया। 25 जनवरी 1858 को गिरफ्तार किए गए 120 क्रांतिकारियों में से 24 क्रांतिकारियों को मौत की सजा सुनाई गई थी। इन सभी को एक पंक्ति में खड़ा करके फाँसी दी गई थी। ठाकुर कुशाल सिंह ने 8 अगसत 1860 ई. को नीमच नामक स्थान पर अंग्रेजों के सामने आत्म समर्पण कर दिया।

526. राजस्थान में आउवा का विद्रोह किसके नेतृत्व में हुआ था?
(a) हरिसिंह (b) तात्या टोपे
(c) जयदयाल (d) ठाकुर कुशाल सिंह

लवण निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा 2018

Ans. (d) अगस्त 1857 में जोधपुर-लीजन के आउवा महाराज ठाकुर कुशाल सिंह ने अंग्रेजों (ब्रिटिश सत्ता) के विरूद्ध विद्रोह कर दिया। 18 सितम्बर 1857 को चेलावास नामक स्थान पर पॉलिटिकल एजेंट मैसन तथा लॉरेंस की संयुक्त सेना से ठाकुर कुशाल सिंह का सामना हुआ। भीषण युद्ध में मैसन मारा गया तथा लॉरेंस अजमेर भाग गया। कर्नल होम्स के नेतृत्व में 1860 में अंग्रेजी सेना के सम्मुख ठाकुर कुशाल सिंह ने आत्मसमर्पण कर दिया।

527. 1857 के विद्रोह के समय आउआ के ठाकुर कुशालसिंह को मेवाड़ के किस स्थान के सामन्त ने अपने यहाँ शरण दी?
(a) कोठारिया (b) भीण्डर
(c) बदनोर (d) आसीन्द

Pradhyapak School Siksha 2011

Ans. (a) : 1857 के विद्रोह के समय आउवा के ठाकुर कुशाल सिंह को कोठारिया के सामन्त (जोध सिंह) ने अपने यहाँ शरण दी। आउवा के ठाकुर कुशाल सिंह, आसोप के ठाकुर बिशन सिंह, आलणियावास के ठाकुर अजीत सिंह आदि ने आउवा के विद्रोह में सक्रिय रूप से भाग लिया था।

528. राजस्थान के प्रथम स्वतन्त्रता सेनानी जिन्हें 1857 के स्वतन्त्रता आन्दोलन में अंग्रेजों ने फाँसी पर लटकाया था
(a) कुशल सिंह (b) अमरचन्द बांठिया
(c) यथनारायण व्यास (d) नृसिंह दास

Kanisht Abhiyanta (Civil) 18.05.2022

Ans. (b) : वर्ष 1857 की क्रांति में अतुलनीय योगदान देने वाले अमरचन्द्र बांठिया राजस्थान के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्हें 1857 ई. में अंग्रेजो ने फाँसी पर लटकाया था। यह राजस्थान के बीकानेर के निवासी थें

529. 1800 ई. में किस विद्वान ने प्रथम बार वर्तमान राजस्थान क्षेत्र के लिए राजपूताना नाम का उपयोग किया?
(a) कर्नल टॉड (b) जार्ज थॉमस
(c) मैक्स मूलर (d) वी. स्मिथ

स्टेनोग्राफर भर्ती परीक्षा-2019 (21 मार्च, 2021)

Ans. (b) – जार्ज थॉमस 1800ई. में प्रथम बार वर्तमान राजस्थान क्षेत्र के लिए राजपूताना शब्द का प्रयोग करने वाले प्रथम व्यक्ति थे। राजपूताना का अर्थ है राजपूतों की भूमि।

530. राजस्थान के कोटा राज्य में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व करने वाले थे-
(a) लाला हरदयाल तथा महावत खाँ
(b) खुशालसिंह तथा रामसिंह
(c) लाला जयदयाल तथा मेहराब खाँ
(d) पं. नयनूराम शर्मा तथा विजय सिंह पथिक

पटवार -2020 (24 अक्टूबर, 2021) Shift-IV
VDO-2021 (Exam Date. 28.12.21) Shift-IV
LDC Exam 09.09.2018
कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) भर्ती परीक्षा-2018
कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-23.12.2019

Ans. (c) – राजस्थान के कोटा राज्य में 1857 का विद्रोह 15 अक्टूबर को प्रारम्भ हुआ। कोटा में विद्रोह कोटा की राजकीय सेना व आम जनता ने किया जिसका नेतृत्व लाला जयदलाल तथा मेहराब खाँ ने किया। 1857 की क्रांति में राजस्थान में कोटा रियासत सबसे अधिक प्रभावित रही। मेजर जनरल रार्बट्स के नेतृत्व में अंग्रेजी सेना ने कोटा विद्रोह को दबा दिया तथा लाला जयदलाल व मेहराब खाँ को फांसी दे दी गई।

531. 1857 में नसीराबाद में विद्रोह करने वाली बटालियन थी-
(a) बॉम्बेलांसर्स
(b) 30वीं बंगाल नेटिव इन्फेण्टरी
(c) मेरवाड़ा बटालियन
(d) 15वीं बंगाल नेटिव इन्फेण्टरी

पटवार 2020 (24 अक्टूबर, 2021) Shift-III

Ans. (d) – राजस्थान में 1857 की क्रांति का प्रारम्भ नसीराबाद (अजमेर) में 28 मई, 1857 को सैनिक विद्रोह से हुआ। नसीराबाद में विद्रोह करने वाली सैनिक छावनी 15वीं बंगाल नेटिव इन्फेन्ट्री थी।

532. 1857 के विद्रोह के समय जोधपुर के महाराजा कौन थे?
(a) महाराजा तख्त सिंह
(b) महाराजा राम सिंह
(c) महाराजा तख्त सिंह
(d) महाराजा जसवंत सिंह

अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 (Ex. Dt. 27-12-2020)
Dt. 25 March 2019)
महिला सुपरवाइजर भर्ती परीक्षा-2018
Economic Investigator (उद्योग विभाग) -2018 (Exam